हाथरस से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
'भव्य प्रभात'
विज्ञापन व समाचार के लिये सम्पर्क करें–
कार्यालय
7–ऊपरी मंजिल बागला डिग्री कालेज,हाथरस
9319426268,9410427880
Email:-bhavyaprabhat@gmail.com

हाथरस से प्रकाशित दैनिक

भव्य प्रभात

खबर,सच्चाई के साथ

वर्ष 18, अंक 219 06 अगस्त 2025 बुधवार हाथरस पृष्ठ 8 मूल्य–2/–रूपये स्वागत मूल्य 1/–रूपये

किसान बेटे सत्यपाल मलिक के निधन से देश में शोक

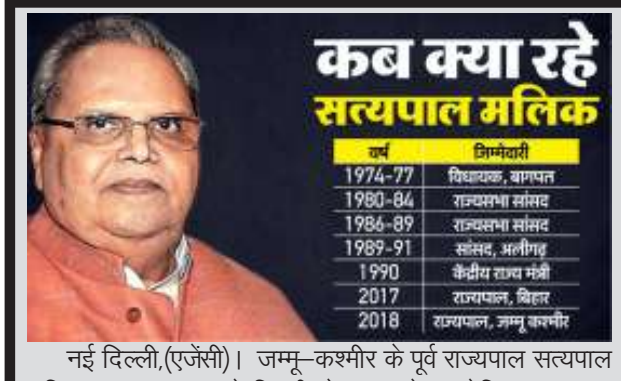

● भारतीय क्रांति दल से राजनीति में किया प्रवेश, राज्यपाल से लेकर इन पदों पर संभाली जिम्मेदारी

नई दिल्ली,(एजेंसी)। जम्मू–कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का मंगलवार को दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल में निधन हो गया। मलिक लंबे समय से आरएमएल अस्पताल में भर्ती थे। पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का 5 अगस्त 2025, मंगलवार को दिल्ली के आरएमएल अस्पताल में निधन हो गया। वह कई दिनों से बीमार थे और अस्पताल में भर्ती थे। सत्यपाल मलिक जम्मू–कश्मीर, गोवा, बिहार और मेघालय के राज्यपाल रहे। छात्र जीवन से शुरू की थी राजनीति मेरठ में छात्र जीवन से राजनीति की शुरूआत करने वाले सत्यपाल मलिक ने दिल्ली में अंतिम सांस ली। उन्होंने भारतीय क्रांति दल, लोकदल, जनमोर्चा, जनता दल, कांग्रेस के बाद वह 2004 में लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा में शामिल हुए और बागपत सीट से चुनाव लड़ा, लेकिन हार गए थे। बागपत से विधायक, अलीगढ़ से सांसद के अलावा राज्यसभा सदस्य और केंद्र में मंत्री रहे। बोफोर्स घोटाले के बाद राज्यसभा की सदस्यता से त्यागपत्र देकर कांग्रेस छोड़ दी थी। चौधरी चरण सिंह की पार्टी से जुड़े बागपत के हिसावदा गांव के रहने वाले सत्यपाल मलिक ने मेरठ कॉलेज में पढ़ाई के दौरान 1965 में छात्र राजनीति में प्रवेश किया। 1966–67 में मलिक मेरठ कॉलेज के पहले छात्रसंघ अध्यक्ष चुने गए। पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह ने भारतीय क्रांति दल का गठन किया। 1974 के विधानसभा चुनाव में बीकेडी के टिकट पर बागपत सीट से चुनाव लड़ा और विधानसभा पहुंचे। लोकदल से कांग्रेस पार्टी में की एंट्री 1975 में लोकदल के गठन के बाद उन्हें अखिल भारतीय महामंत्री नियुक्त किया गया।

देश में बना सामान ही खरीदें: सीएम

● योगी बोले– विदेशी सामान खरीदा तो धर्मांतरण बढ़ेगा: अब सरकारी नौकरी बपौती नहीं, अलीगढ़ में कहा– ब्रह्मोस से पाकिस्तान पसीना–पसीना हुआ

अलीगढ़,(एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 1194 करोड़ 75 लाख रुपये की कुल 188 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ सुबह 10 बजे अलीगढ़ पहुंच गए हैं। आईटीआई हेलीपैड से कलेक्ट्रेट सभागार पहुंचे। वहां वह जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक ली। बैठक में अलीगढ़, हाथरस, एटा और कासगंज से जनप्रतिनिधियों ने सीएम योगी के समक्ष अपने क्षेत्र की समस्याएं रखीं। सीएम योगी ने समस्याओं के निस्तारण कराने का आश्वासन दिया। बैठक के बाद सीएम योगी नुमाइश ग्राउंड पहुंचे। वहां अलीगढ़ मंडल के लिए 1194 करोड़ की 188 परियोजनाओं का लोकार्पण–शिलान्यास किया। सीएम योगी ने सीएम युवा, विश्वकर्मा श्रम सम्मान, 70 प्लस आयुष्मान भारत गोल्डन कार्ड, एनआरएलएम क्रेडिट लिंकेज चौक, पीएम एवं सीएम आवास लाभार्थीगनों को लाभान्वित किया। जनसभा को किया सीएम योगी ने संबोधित नुमाइश मैदान में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वदेशी हस्तशिल्प और उत्पादों को बढ़ावा देने के महत्व पर जोर दिया। त्योहारों और पर्व पर स्वदेशी उपहारों के लिए प्रेरित किया। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अगर पैसा हमारे अपने कारीगरों और हस्तशिल्पियों के पास जाएगा, तो यह समृद्धि का आधार बनेगा। इसके विपरीत,

जनसभा में खुलकर बोले सीएम योगी, अलीगढ़ मंडल को दी 1194 करोड़ की सौगात

यदि यह पैसा विदेशी हाथों में जाता है, तो इसका उपयोग आतंकवाद, धर्मांतरण और अराजकता जैसी गतिविधियों के लिए किया जा सकता है, जो भारत को अस्थिर करने का काम करेंगी। इस दौरान, उन्होंने अलीगढ़ जिले में पुलिस बल में भर्ती हुए 1344 युवाओं को सम्मानित करने की घोषणा की। साथ ही, उन्होंने 15 अगस्त को ऑपरेशन सिंदूर में शहीद हुए।

संसद में मिलकर उठाएंगे जनता के मुद्दे: राहुल गांधी

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि मंगलवार को विपक्षी इंडिया गठबंधन के दलों के नेताओं की संसद भवन परिसर में बैठक हुई जिसमें मिलकर जनता के मुद्दों को उठाने पर चर्चा की गयी। बैठक में एक न्यायाधीश की श्री गांधी पर की गई टिप्पणी पर भी चर्चा हुई। बैठक में सीमाओं की रक्षा का मामला भी उठा और कहा गया कि सरकार देश की सीमाओं को सुरक्षित करने में विफल रही है। श्री गांधी ने सोशल मीडिया फेसबुक पोस्ट में यह जानकारी देते हुए कहा ष्आज संसद में कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे जी की मौजूदगी में इंडिया गठबंधन के फ्लोर लीडर्स की बैठक में शामिल हुआ।

हिमाचल में कई जगह सड़कें बंद–बिजली गुल, सराज–ज्यूणी वैली में बारिश का कहर

शिमला,(एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में बारिश और भूस्खलन के बाद कई जगह सड़कें बंद हो गई हैं। साथ ही बिजली गुल भी है। सराज–ज्यूणी वैली में बारिश का कहर जारी है। बाढ़ और भूस्खलन का खतरा बढ़ गया है। हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले के सराज में एक बार फिर भारी बारिश ने तबाही मचाई है।

लगातार बारिश से नदी–नालों का जलस्तर बढ़ने के कारण बाढ़ और भूस्खलन का खतरा मंडरा रहा है। बूंगरैलचौक, संगलबाड़ा, ढीम कटारू, लंबाथाच, चिऊणी, थुनाग, पखरैर, मुरहाग, शिकावरी, लेहथाच, कांढ़ा–बगस्याड, शरण, बहलीधार, शिल्हीबागी, बागाचनोगी, भाटकीधार, कलहणी, खबलेच, जैंशला, बस्सी, कुकलाह और बाखली पंचायतें सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। बूंगरैलचौक और थुनाग बाजार में असुरक्षित घरों में मलबा घुस गया, जिससे हजारों लोगों की जान खतरे में है। सड़कें बंद, बिजली गुल, जंजैहली कटी लगातार बारिश ने सराज की सभी सड़कों को बंद कर दिया है। पीडब्ल्यूडी की महीने भर की मेहनत पर पानी फिर गया, क्योंकि बाखलीखड्ड में बने अस्थाई कलवर्ट बह गए। पर्यटन नगरी जंजैहली शेष विश्व से पूरी तरह कट गई है। बिजली आपूर्ति ठप होने से पूरा सराज अंधेरे में डूबा हुआ है। ज्यूणी वैली में भी आफत उधर, गोहर उपमंडल की ज्यूणी वैली में भी मूसलाधार बारिश ने कहर बरपाया है। देवीदहड़, जहल, जाच्छ, करनाला, तुन्ना और शाला में भारी बारिश के कारण ज्यूणी खड्ड का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। लोग डर के मारे घरों से बाहर निकल आए हैं। गोहर, स्यांज, नांडी और पंडोह के निवासियों को अतिरिक्त सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

सीआईएसएफ कर्मियों की मौजूदगी पर रार

● खरगे बोले– क्या हम आतंकवादी हैं? नड्डा का जवाब– मुझसे ट्यूशन ले लीजिए

नई दिल्ली,(एजेंसी)। सदन में सीआईएसएफ कर्मियों की मौजूदगी के मुद्दे पर मंगलवार को राज्यसभा में जमकर हंगामा हुआ। इस दौरान मल्लिकार्जुन खरगे ने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन बताया और नाराजगी भरे स्वर में कहा कि क्या हम आतंकवादी हैं? सदन में सीआईएसएफ कर्मियों की मौजूदगी के मुद्दे पर आज राज्यसभा में जमकर हंगामा हुआ। दरअसल सभापति ने इस बात पर आपत्ति जताई कि जब खरगे ने उन्हें सीआईएसएफ कर्मियों की तैनाती को लेकर पत्र लिखा था तो उसे मीडिया में क्यों जारी किया गया। सभापति ने इसे सदन के नियमों का उल्लंघन करार दिया। इस पर खरगे ने कहा कि वह सभी को पत्र के बारे में जानकारी नहीं दे सकते थे तो

उन्होंने इसे लेकर मीडिया में बयान जारी किया। चर्चा के दौरान जेपी नड्डा ने विपक्ष के रवैये पर सवाल उठाए और नसीहत देते हुए कहा कि विपक्ष को उनसे ट्यूशन लेने की जरूरत है। श्वेल में प्रदर्शन सदन के नियमों के खिलाफश दरअसल राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने खरगे के पत्र के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि पत्र को मीडिया में जारी करके संसद के जनता को जानकारी देने के अधिकार का उल्लंघन हुआ है। इसके बाद उपसभापति ने कई घटनाओं का जिक्र किया, जब सत्ता पक्ष के लोग सदन में बोल रहे थे और विपक्षी सांसदों ने उनकी सीटों के पास आकर उनके संबोधन बाधित करने का प्रयास किया। सभापति ने कहा कि श्क्या यह लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन नहीं है? उन्होंने कहा कि सदस्यों द्वारा वेल में प्रदर्शन गलत है और यह सदन की परंपरा के खिलाफ है क्योंकि वेल की एक पवित्रता होती है।श खरगे ने पूछा– क्या हम आतंकवादी हैं?

44 जिलों में आज फिर भारी बारिश की चेतावनी

सोमवार को टूटे थे कई रिकॉर्ड, छह डिग्री लुढ़का पारा

लखनऊ, संवाददाता। यूपी में मानसूनी बरसात जारी है। मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार को प्रदेश के 44 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। उत्तर प्रदेश के तराई और पूर्वांचल के इलाकों में घनघोर बारिश का सिलसिला जारी है। कई जिलों में जलभराव और बाढ़ जैसे हालात हैं। सोमवार को रायबरेली में सर्वाधिक 202 मिमी और बदायूं में 190 मिमी बारिश दर्ज किया गया। इसी तरह अयोध्या में 151 मिमी, बाराबंकी में 140 मिमी, संभल में 122 मिमी बारिश हुई। मौसम विभाग की ओर से मंगलवार के लिए प्रदेश के तराई इलाकों के 19 जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट और 25 अन्य जिलों में भारी बारिश का येलो अलर्ट है। 44 जिलों में गरज चमक के साथ आकाशीय बिजली गिरने की आशंका जताई गई है।आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक मंगलवार को पूर्वी तराई इलाकों में भारी मानसूनी बारिश के संकेत हैं। बुधवार से बारिश की तीव्रता में गिरावट आएगी। प्रदेश के पांच सर्वाधिक बारिश वाले जिले रायबरेली –202 मिमी बदायूं – 190 मिमी अयोध्या –151 मिमी बाराबंकी– 140 मिमी संभल में 122 मिमी यहां है भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, हरदोई, फर्रुखाबाद, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, मेरठ, कासगंज, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, संभल, बदायूं व आसपास के इलाकों में। भारी बारिश का येलो अलर्ट गोरखपुर, संत

कबीर नगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थ नगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, कन्नौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर, उन्नाव, लखनऊ, बाराबंकी, बागपत, गाजियाबाद, हापुड़, गौतम बुद्ध नगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, एटा, मैनपुरी व आसपास के इलाकों में। राजधानी में अगस्त की बारिश ने तोड़ा 6 वर्ष का रिकॉर्ड राजधानी में मानसून के बादलों ने अगस्त में बारिश का छह साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा है। सोमवार को लखनऊ में 91 मिमी बारिश दर्ज की गई। इसके पहले वर्ष 2018 में 3 अगस्त को 114.3 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई थी। 2018 के बाद अगस्त में किसी भी वर्ष एक दिन में बारिश का आंकड़ा 91 मिमी के पास तक भी नहीं गया। लगातार धीमी गति की बारिश से तापमान में भी खासी गिरावट दर्ज की गई है। 48 घंटों के दौरान अधिकतम तापमान 5.7 डिग्री लुढ़क चुका है। न्यूनतम तापमान में भी 2.7 डिग्री की गिरावट आई। इसी का असर था कि सोमवार को भोर में लोगों को एसी–कूलर के साथ पंखे भी बंद करने पड़े। रविवार से बादल ज्यादा सक्रिय हैं। सोमवार शाम तक कभी हल्की तो कभी तेज बारिश होती रही। इसका असर जनजीवन पर भी पड़ा। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र अमौसी के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक राजधानी क्षेत्र में बादलों की सक्रियता मंगलवार को भी बने रहने की उम्मीद है। यूपी में 13 जिले बाढ़ की चपेट में उत्तर प्रदेश में भी गंगा समेत सभी प्रमुख नदियों का जल स्तर बढ़ रहा है। प्रयागराज, वाराणसी, कानपुर समेत 13 जिले बाढ़ की चपेट में हैं। वाराणसी और प्रयागराज में गंगा का पानी खतरे के निशान से ऊपर पहुंच गया है। वाराणसी में मणिकर्णिका समेत लगभग सभी घाट डूब गए हैं। शहर के कई इलाकों में पानी भर गया है। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल और अन्य एजेंसियों की टीम प्रभावित इलाकों में निगरानी कर रही हैं। मौसम विभाग ने प्रदेश में अगले तीन दिन भारी बारिश की संभावना जताई है, जिससे हालात और खराब हो सकते हैं। आंध्र–बंगाल में जारी रहेगी बारिश मौसम विभाग ने पश्चिम बंगाल के उत्तरी भाग में 10 अगस्त तक भारी बारिश की संभावना जताई है। अधिकारियों ने बताया कि दार्जिलिंग, कलिम्पोंग,जलपाईगुड़ी, अलीपुरद्वार और कूचबिहार में कुछ स्थानों पर अत्यधिक वर्षा हो सकती है। 7 अगस्त तक दक्षिण बंगाल के कुछ जिलों में भी बारिश होने की संभावना है। इस बीच, आंध्र प्रदेश के कृष्णा जिले में भारी बारिश के बीच बिजली गिरने से खेत में काम कर रही एक महिला की मौत हो गई। पूर्वोत्तर राजस्थान में अगले दो दिन भारी बारिश राजस्थान के पूर्वोत्तर हिस्से में अगले दो से तीन दिन भारी बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने कहा कि इसी अवधि के दौरान पूर्वी राजस्थान के कुछ क्षेत्रों में भी हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है। सोमवार सुबह 8रू30 बजे तक बीते 24 घंटों के दौरान पूर्वी राजस्थान के कुछ इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। सबसे ज्यादा बारिश बयाना (भरतपुर) में 51.0 मिमी दर्ज की गई।

बसपा न एनडीए का हिस्सा, न इंडिया गठबंधन के साथ, अपने सिद्धांतों पर चलती है बसपा : मायावती

लखनऊ, संवाददाता। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने मंगलवार को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ किसी भी गठबंधन या समझौते से इनकार करते हुए पार्टी कार्यकर्ताओं को ऐसी खबरों से सतर्क रहने की हिदायत दी। मायावती ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स पर एक पोस्ट कर कहा, ''जैसा कि सर्वविदित है कि बसपा न तो भाजपा के राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के साथ है, ना ही कांग्रेस के 'इंडिया (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) गठबंधन या अन्य किसी मोर्चे के साथ है, बल्कि इन दोनों व अन्य और किसी भी जातिवादी गठबंधनों से अलग अपनी सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय के आंबेडकरवादी सिद्धांत व नीति पर चलने वाली पार्टी है। उन्होंने कहा, ''इसके बावजूद खासकर दलित, आदिवासी एवं अन्य पिछड़ा वर्ग विरोधी तथा इन वर्गों के प्रति जातिवादी मानसिकता रखने वाले कुछ मीडिया बसपा की छवि को बीच–बीच में धूमिल करने व राजनीतिक नुकसान पहुंचाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ते हैं, जिसको लेकर पार्टी को लगातार अपने लोगों को इनसे सतर्क करते रहने की जरूरत पड़ती रहती है। बसपा प्रमुख ने कहा, ''पार्टी के लोगों से यह विशेष आग्रह है कि वे राजनीतिक षड्यंत्र के तहत मीडिया के इस प्रकार के घिनौने हथकंडों से हमेशा सावधान रहें और किसी के भी बहकावे में नहीं आयें, क्योंकि जातिवादी तत्व अपने आंबेडकरवादी कारवां को कमजोर करने के घिनौने षड्यंत्र में हमेशा किसी न किसी रूप में लगे रहते हैं।

कासिम शहीद बाबा का तीन दिवसीय उर्स आज से, सभी तैयारियाँ पूरी

लखनऊ, संवाददाता। साम्प्रदायिक एकता और सौहार्द का प्रतीक उत्तर प्रदेश की राजधानी की अति प्रसिद्ध दरगाह हजरत कासिम शहीद बाबा का सालाना उर्स मुबारक व मेला 06.08.2025 को आरम्भ हो रहा है। उर्स के मौके पर सज्जादानशीन,संरक्षक दरगाह कमेटी ने बताया कि कासिम शहीद बाबा बहराइच शरीफ की मशहूर दरगाह सैय्यद सालार मसूद गाजी रहमतुल्लाह अलैह के प्रमुख साथियों में से हैं। कासिम बाबा का उर्स मुबारक सफर माह चेहल्लुम की 11, 12, 13 तारीख को मनाया जाता है। तारीख 06.08.2025 को शाम 06रू30 बाद नमाज मगरिब मिलाद शरीफ होगा, जिसमें हजरत मौलाना सैय्यद अंसार साहब, कारी जमील साहब, हाफिज शहजाद साहब, हाफिज मो0 अली साहब, मो0 तारीक साहब, मो0 सद्दाम साहब, हाफिस जलीस साहब खिताब करेंगे।

रक्षाबंधन से पहले सीएम योगी दे रहे सस्ते आवास का तोहफा

लखनऊ, संवाददाता। सीएम योगी ग्वालियर हाईवे पर 138 हेक्टेयर में 22.42 अरब रुपये से तीन चरण और 11 सेक्टर में होने वाली टाउनशिप की लॉन्चिंग करेंगे। आगरा की जिस नई टाउनशिप अटलपुरम की लॉन्चिंग सीएम योगी आज करने जा रहे हैं, वो बेहद खास है। खास इसलिए भी है कि इस आवासीय योजना में हाई सोसाइटी जैसी सुविधाएं भी मिल रही है। आगरा विकास प्राधिकरण ने 36 साल बाद अटलपुरम नाम से ये आवासीय टाउनशिप तैयार की है। ये लगभग 22.42 अरब रुपये से विकसित होगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार दोपहर दो बजे अटलपुरम टाउनशिप की लॉन्चिंग करेंगे। इसके बाद भूखंडों के लिए ऑनलाइन पंजीकरण शुरू हो जाएंगे। भूखंडों का आवंटन लॉटरी से होगा। तीन चरण और 11 सेक्टर में विकसित होने वाली इस टाउनशिप में अत्याधुनिक सुविधायुक्त कन्वेंशन सेंटर के साथ कई सुविधाएं मिलने जा रही हैं। ये होंगी सुविधाएं – अत्याधुनिक सुविधायुक्त कन्वेंशन सेंटर – मैरिज लॉन, क्लब हाउस, डाकघर, पुलिस चौकी – जूनियर हाईस्कूल और इंटर कॉलेज, हेल्थ सेंटर – सीसीटीवी, विद्युत उपकेंद्र, स्कॉडा सेंटर, पार्क ताजमहल।

मालिक मुद्रक, प्रकाशक, आशीष सेंगर द्वारा विभा प्रिंटर्स मुन्शी गजाधर सिंह मार्ग,हाथरस से मुद्रित एवं प्रधान कार्यालय मुन्शी गजाधर सिंह मार्ग सरस्वती कुंज हाथरस से प्रकाशित।
RNI- UPHIN/2007/23475
सम्पादकः अंजली शर्मा
मो. 9410427880 09319426268
Email:-
bhavyaprabhat@gmail.com
समस्त समाचारों के चयन एवं उनसे उत्पन्न विवादों के लिये पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार।
समस्त विवादो का न्याय क्षेत्र हाथरस होगा।

छपाई छपाई
बिल बुक,लेटर पैड,पम्पलेट
पोस्टर,शादी कार्ड,अखबार
आधुनिक कम्प्यूटराइज्ड मशीन द्वारा साफ सुन्दर एवं कलात्मक छपाई
विभा प्रिन्टर्स
मुंशी गजाधर सिंह मार्ग,अलीगढ़ रोड, हाथरस
मो० 9410427880 ,9319426268

जर्जर भवनों में न कराये शिक्षण कार्य : बीएसए स्वाती भारती

● सीढ़ी लगाकर विद्यालयों की छत पर चढ़ी बीएसए, देखी पानी निकासी की व्यवस्था, साफ-सफाई के दिये निर्देश

(भव्य प्रभात)

हाथरस। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी स्वाती भारती जिले में हो रही बारिश के कारण विद्यालयों की छतों पर जल निकासी, सीलन की स्थिति तथा छात्रों की सुरक्षा का जायजा लिया जिसमें बीएसए प्रा०वि० कैलास नगर, न०क्षे० हाथरस एवं प्रा०वि० नगला रति वि०ख०–हसायन, उ०प्रा०वि० हसायन, प्रा०वि० सिकतरा वि०ख०–हसायन, कम्पोजिट विद्यालय सीधामई, वि०ख०–हसायन, प्रा०वि० टोंड एवं उ०प्रा०वि० टोंड, वि०ख०–सासनी का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय उक्त विद्यालयों में समस्त स्टॉफ उपस्थित पाया गया। निरीक्षण के समय

अवलोकन करने पाया गया कि विद्यालय की छतों पर सूखे पत्ते एवं कूड़ा जमा होने के कारण पानी का निकास रूक गया, जिससे छत पर पानी रूकने के कारण विद्यालय भवन में सीलन आ रही थी। निर्देश प्रदान किये गये कि विद्यालयों की छतों पर साफ–सफाई का विशेष ध्यान रखा जाये, समय–समय पर प्र०अ० एवं अन्य विद्यालय स्टाफ द्वारा यह सुनिश्चित किया जाये कि छत पर किसी भी प्रकार का कूड़ा न जमा होने पाये एवं पानी न रूकने पाये। आवश्यकतानुसार कम्पोजिट ग्रांट से मरम्मत का कार्य कराया जाये। यू–डायस प्लस पर सत्र 2025–26 में स्टूडेंट प्रोग्रेशन का कार्य ससमय पूर्ण करायें। छात्र नामांकन को बढ़ाये जाने के निर्देश प्रदान किये गये। बी०आर०सी० हसायन पर निपुण भारत मिशन के अन्तर्गत पाँच दिवसीय एफ०एल०एन० ट्रेनिंग का निरीक्षण किया गया। जिसमें सभी प्रशिक्षणार्थी उपस्थित पाये गये। बी०एस०ए० ने नई शिक्षा नीति के अन्तर्गत एन०सी०ई०आर०टी० पाठ्यक्रम के सम्बन्ध में अवगत कराया गया। जर्जर भवनों में शिक्षण कार्य न कराये जाने के स्पष्ट निर्देश दिये है।

११४ वॉ विशाल लक्खी मेला श्री दाऊजी महाराज की तैयारियों को लेकर बैठक आज

(भव्य प्रभात)

हाथरस । प्रभारी अधिकारी (द्वितीय),मेला पर्यवेक्षक, कलैक्ट्रेट ने अवगत कराया है कि सुप्रसिद्ध एवं विख्यात 114 वॉ विशाल लक्खी मेला श्री दाऊजी महाराज,वर्ष 2025 का आयोजन शहर स्थित मन्दिर श्री दाऊजी महाराज परिसर में बल्देव छठ 29 अगस्त से प्रारम्भ होना है। विगत वर्षों की भाँति मेला को भव्य एवं सकुशल सम्पन्न कराने हेतु विचार–विमर्श एव सुझाव प्राप्त करने के लिए आवश्यक बैठक जिलाधिकारी राहुल पाण्डेय की अध्यक्षता में नवीन कलक्ट्रेट के सभागार में कल 6.08.2025 को अपरान्ह 2 बजे आहूत की गयी है।

एसओजी टीम व थाना हसायन पुलिस की संयुक्त कार्यवाही में अंतर्राज्यीय वाहन चोर गिरफ्तार, चोरी की पांच मोटरसाईकिल बरामद

(भव्य प्रभात)

हाथरस। पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा के आदेशानुसार चलाये जा रहे संदिग्ध व्यक्तिध्वाहन चेकिंग अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी सिकन्द्राराऊ के निकट पर्यवेक्षण में एसओजी टीम व थाना हसायन पुलिस की संयुक्त कार्यवाही मे चेकिंग के दौरान कार्यवाही

करते हुए हसायन पुरदिलनगर रोड पर शंकरपुर मोड के पास से दो अंतर्राज्यीय वाहन चोरों को गिरतार करने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है । जिनके नाम अमित पुत्र सतेन्द्र निवासी करारमई थाना हसायन, बॉबी पुत्र रामऔतार निवासी बदनपुर थाना हसायन जनपद हाथरस है। जिनके कब्जे से चोरी की पांच मोटरसाईकिल बरामद हुई है । अभियुक्तगणों की गिरतारी एवं बरामदगी के सम्बन्ध में थाना हसायन पुलिस द्वारा आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है । गिरतार अभियुक्तगणों द्वारा पूछताछ में जुर्म का इकबाल करते हुये बताया कि हम लोग अपने साथी पंकज पुत्र तेज सिंह निवासी बस्तोई थाना हसायन के साथ मिलकर दिल्ली, गुडगांव, गाजियाबाद, अलीगढ आदि स्थानों से एकांतध्सूनसान स्थान पर खडी मोटरसाईकिलों का लॉक तोडकर चोरी कर लेते है तथा चोरी करने के उपरान्त चोरी की गई मोटरसाइकिलों को फर्जी नम्बर प्लेट लगाकर, इन्जनध्चेसिस नम्बर बदलकर राह चलते अनजान लोगों उचित मूल्य पर बेच देते है । मोटर साइकिल बेचने से जो भी रूपये प्राप्त होते है उन्हे आपस में बराबर–बराबर बाँट लेते है और अपने शौक मौज में खर्च करते है । अभियुक्तगण द्वारा बरामद मोटरसाईकिल बुलट के बारे में बताया कि उन्होंने अपने सहअभियुक्त पंकज उपरोक्त के साथ मिलकर यह मोटरसाईकिल गुडगांव से चोरी की थी, उक्त बुलट के इंजन नंबर व चौसिस नंबर को कूट करण कर नये चौसिस व इंजन नंबर डालकर असल के रुप में प्रयोग कर रहे थे। गिरतार अभियुक्तगणों के कब्जे से दिल्ली, गुडगांव, गाजियाबाद व जनपद अलीगढ़ से चोरी की हुई मोटरसाइकिलें बरामद हुई है । गिरतार अभियुक्त अमित शातिर किस्म का अपराधी है जिसके विरूद्ध थाना हसायन में चोरी, नकबजनी व मारपीट जैसी धाराओं में अभियोग पंजी.त है । पुलिस द्वारा फरार अभियुक्त पंकज पुत्र तेज सिंह निवासी बस्तोई थाना हसायन की गिरतारी हेतु सार्थक प्रयास किये जा रहे है । गिरतार करने वाली पुलिस टीम के नाम उ0नि0 धीरज गौतम प्रभारी एसओजी टीम मय टीम, थाना प्रभारी श्री ललित शर्मा मय टीम थाना हसायन जनपद हाथरस है।

खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने दूध घेवर के लिए सैंपल

(भव्य प्रभात)

हाथरस। शासन की आदेश और जिलाधिकारी द्वारा दिए गए निर्देश के क्रम में खाद्य सुरक्षा विभाग लगातार छापामार कार्रवाई कर रहा है सहायक आयुक्त खाद्य अलीगढ़ मंडल अलीगढ़ अजय जायसवाल के नेतृत्व में सहायक आयुक्त खाद्य दो रणधीर सिंह और मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी पंकज कुमार गुप्ता के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा सादाबाद तहसील अंतर्गत भगत राम रावल दास कोल्ड स्टोरेज जलेसर रोड में दूध डेयरियों का निरीक्षण किया गया बृजेश डेयरी और बाबा बालजती डेयरी से दूध के नमूने जांच के लिए गए। विनोबा नगर सादाबाद पर स्थित शिव बाबा मिष्ठान भंडार, श्री राम मिष्ठान भंडार, रवि स्वीट हाउस एंड रेस्टोरेंट और श्री बांके बिहारी मिष्ठान भंडार से घेवर के नमूने जांच हेतु लिए गए । मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी पंकज कुमार गुप्ता ने बताया कि छापामार कार्रवाई लगातार जारी रहेगी । सभी नमूने जांच के लिए प्रयोगशाला भेज दिए गए हैं । अग्रिम कार्रवाई रिपोर्ट प्राप्ति के बाद की जाएगी । खाद्य सचल दल में खाद्य सुरक्षा अधिकारी मंडल राजीव वर्मा, यदुवीर सिंह, डॉ विकास कुमार, करतार सिंह, ओंकार कुशवाहा, पारुल सिंह और सुरेंद्र कुमार गोंड उपस्थित रहे।

सांसद अनूप प्रधान ने मुख्यमंत्री को सौपा पत्र

● हाथरस में ट्रांसपोर्ट नगर ,सिकंदराराऊ में बस स्टैंड सहित ९ निर्माण कार्यो की रखी मांग

(भव्य प्रभात)

हाथरस। सांसद अनूप प्रधान ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अलीगढ़ आगमन पर मुलाकात की। उन्होंने मुख्यमंत्री को लोकसभा क्षेत्र हाथरस के विकास कार्यो को गति प्रदान करने हेतु 9 निर्माण कार्य कराने के सम्बंध में एक पत्र सौपा।

पत्र में सांसद ने क्षेत्र की जनता जनार्दन को बुनियादी सुविधाओं के लिये प्रमुख कार्यो का जिक्र करते हुये आवश्यक बताया है। पत्र में उन्होंने यात्रियों की सुविधा के लिये सिकन्दराराऊ में बस स्टेण्ड का निर्माण कार्य।

सासनी–विजयगढ़ मार्ग का चौड़ीकरण

निर्माण कार्य। जनपद हाथरस की पुरानी सडकों को डी–टू–वाई में सम्मिलित कराकर लोक निर्माण विभाग द्वारा निर्माण कार्य कराया जाना अति आवश्यक है। जनपद हाथरस में सांसकृतिक, शैक्षिक एवं प्रशासनिक आदि आयोजनों के लिये लगभग 500 सीटों वाले ऑडिटोरियम का निर्माण कार्य।

किसानों की सुविधा के लिये हाथरस किला रेलवे स्टेशन पर पूर्व की भाँति खाद्य आपूर्ति कराया जाना। जनपद हाथरस में सर्किट हाउस का निर्माण कार्य। जनपद हाथरस में ट्रांसपोर्ट नगर का निर्माण कार्य। जनपद हाथरस में मिनी इण्डस्ट्रीरियल एरिया का निर्माण कार्य व जनपद हाथरस में मेडिकल कालेज का जल्द निर्माण की मांग की है। उन्होंने जनहित में सभी निर्माण कार्यो का कराना आवश्यक बताया है।

जनपद में ३६ ग्राम पंचायतों में पंचायत सहायक,एकाउण्टेन्ट - कम-डाटा इन्ट्री ऑपरेटर के रिक्त पदों पर होगी भर्ती

हाथरस । जिला पंचायत राज अधिकारी ने अवगत कराया है कि निदेशक पंचायतीराज, उ0प्र0 के पत्र दिनांक 17 दिसम्बर, 2024 के क्रम में पंचायत सहायक एकाउण्टेन्ट–कम–डाटा इन्ट्री ऑपरेटर के रिक्त पदों पर तैनाती की जानी है। जिलाधिकारी महोदय के अनुमोदन द्वारा विकास खण्डों से प्राप्त सूचना के अनुसार जनपद में 36 ग्राम पंचायतों में पंचायत सहायक,एकाउण्टेन्ट–कम–डाटा इन्ट्री ऑपरेटर के रिक्त पदों पर तैनाती की जानी है।

पंचायत सहायक,एकाउण्टेन्ट कम डाटा इन्ट्री आपरेटर के रिक्त पदों के चयन हेतु समय सारणी निम्नवत् निर्धारित की गयी है जिसमें ग्राम पंचायत द्वारा पंचायत सहायक,एकाउण्टेन्ट–कम–डाटा इन्ट्री ऑपरेटर के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित करने की सूचना, ग्राम पंचायत के सूचना पट्ट एवं मुनादी द्वारा कराया जाना दिनांक 03 अगस्त, 2025 से 08 अगस्त, 2025 तक। जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय, विकास खण्ड कार्यालय एवं ग्राम पंचायत कार्यालय में आवेदन पत्र जमा करने की अवधि 11 अगस्त, 2025 से 18 अगस्त, 2025 तक, जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय व विकास खण्ड कार्यालय में प्राप्त आवेदन पत्रों को सम्बन्धित ग्राम पंचायत को 19–20 अगस्त, 2025 तक उपलब्ध कराया जाना। ग्राम पंचायत में प्राप्त आवेदन पत्रों की श्रेष्ठता सूची (मेरिट लिस्ट) तैयार करना एवं ग्राम पंचायत की प्रशासनिक समिति के समक्ष विचारार्थ प्रस्तुत किया जाना एवं समिति द्वारा अनुमोदित श्रेष्ठता सूची को जिला स्तरीय समिति के विचारार्थ समिति के सदस्य सचिव (जिला पंचायत राज अधिकारी) को 21 अगस्त, 2025 से 26 अगस्त, 2025 तक उपलब्ध कराया जाना। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा 26 अगस्त, 2025 से 02 सितम्बर, 2025 तक परीक्षण एवं संस्तुति। ग्राम पंचायत द्वारा 03 सितम्बर, 2025 से 07 सितम्बर, 2025 तक नियुक्ति पत्र निर्गत किया जाना।

मुख्यमंत्री पर्यटन स्थलों के विकास योजना के तहत अलीगढ़ मंडल के जनपद अलीगढ़, एटा तथा हाथरस के लिये

१६ नई परियोजनाओं के लिए १६.२५ करोड़ रूपये की धनराशि स्वीकृत

● श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों के लिए बुनियादी सुविधाएं सृजित करना सरकार की प्राथमिकता -जयवीर सिंह

(भव्य प्रभात)

हाथरस/लखनऊ। वित्तीय वर्ष 2025–26 में मुख्यमंत्री पर्यटन स्थलों के विकास के अंतर्गत प्रदेश के समस्त मंडलों में नई परियोजनाएं स्वीकृत की गई है। जिसकी अनुमानित लागत 359. 85 करोड़ रूपये है। इसी क्रम में अलीगढ़ मंडल के अधीन आने वाले जनपद अलीगढ़ की 07, एटा की 05 व हाथरस की 04 कुल 16 नई परियोजनाओं के लिए 16.25 करोड़ रूपये की परियोजनाएं अनुमोदित की गई है। इन परियोजनाओं के तहत प्राचीन धार्मिक स्थलों का पर्यटन विकास किया जाएगा। इस तरह प्राचीन विरासत को संरक्षित रखते हुए श्रद्धालुओं के लिए अवस्थापना सुविधाएं सुलभ करायी जाएगी।

यह जानकारी प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि अलीगढ़ के अतरौली, खैर, कोल, इग्लास, सदर, बरौली तथा छर्रा में स्थित मंदिरों का पर्यटन विकास एवं अवस्थापना सुविधाओं का उच्चीकरण किया जाएगा। इन विधानसभाओं में स्थित बड़े महादेव जी का मंदिर, हनुमानगढ़ कुटी आश्रम, ऐतिहासिक एवं प्राचीन शिव मंदिर, भोपतपुर, प्राचीन शिव मंदिर बरखंडी आश्रम, श्री बांकेबिहारी मंदिर,

बरौली के चामुण्डा माता मंदिर तथा छर्रा स्थित श्री बांकेबिहारी मंदिर का पर्यटन विकास किया जाएगा।

जयवीर सिंह ने बताया कि इसी प्रकार एटा जनपद के अंतर्गत आने वाली विधानसभा मारहरा, जलेसर, एटा, अलीगंज तथा अलीगंज स्थित प्राचीन स्थलों का पर्यटन विकास किया जाएगा। इसके तहत काकामई आर्य समाज मंदिर, प्राचीन शिव मंदिर, मां वाराही देवी मंदिर, विश्वनाथधाम आजमनगर का पर्यटन विकास, सम्राट अशोक बुद्ध विकास का पर्यटन विकास कराया जाएगा। इसी प्रकार हाथरस विधानसभा के अंतर्गत सदर, सिकंदराराउ, सादाबाद, विधानसभा के अंतर्गत गोपेश्वर महादेव, नगला अहीर पोस्ट वरवाना स्थित प्राचीन शिव मंदिर, विसाना मां0 तारागढ़ मंदिर का पर्यटन विकास तथा प्राचीन दाउ जी महाराज मंदिर का पर्यटन विकास कराया जाएगा।

पर्यटन मंत्री ने बताया कि मा0 मुख्यमंत्री जी के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में प्राचीन धरोहरों को नया स्वरूप देकर

हाथरस के अंतर्गत सदर, सिकंदराराऊ, सादाबाद, विधानसभा में गोपेश्वर महादेव, नगला अहीर पोस्ट वरवाना स्थित प्राचीन शिव मंदिर, विसाना मां० तारागढ़ मंदिर का पर्यटन विकास तथा प्राचीन दाउ जी महाराज मंदिर का होगा पर्यटन विकास

संरक्षित करने के साथ ही आगंतुकों एवं पर्यटकों को बुनियादी सुविधाएं सुलभ कराना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से लगभग हर मंडलों में पर्यटन विकास की योजनाएं अनुमोदित की गई है।

क्षेत्रीय प्रतियोगिताओं का आगाज के साथ टीटी और बैडमिंटन प्रतियोगिता सम्पन्न

अलीगढ। डिबाई में क्षेत्रीय प्रतियोगिताओं का आगाज आज बैडमिंटन तथा टीटी प्रतियोगिता से हुआ। टीटी में जनता इंटर कालेज दानपुर प्रथम, इरिगेशन इंटर कालेज द्वितीय, चेतराम हरियाणा इंटर कालेज तृतीय स्थान पर रहा। बैडमिंटन में कुबेर इंटर कालेज प्रथम, इर्रिगेशन इंटर कालेज नरौरा, तथा पीएम श्री पलाकसेर तृतीय स्थान पर रहा। क्षेत्रीय क्रीडाधिकारी माया यादव ने बताया कि प्रतियोगिता का शुभारंभ प्रधानाचार्य ओमवीर सिंह ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करके किया। प्रतियोगिता में क्रीड़ा शिक्षक अवनीश, रवि दुबे, मनोज कुमार, प्रमोद कुमार तनुज शर्मा, मोहिनी, हेमलता, राजेन्द्र, आदि का सराहनीय सहयोग रहा। चयनित प्रतिभागी 07 अगस्त को जनपदीय प्रतियोगिता जो कुबेर इंटर कालेज में सम्पन्न होगी प्रतिभाग करेंगे।

मंडलायुक्त ने परखीं श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की तैयारियां

सीएम के संभावित आगमन को लेकर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग पर अधिकारियों को दिए निर्देश

मथुरा। जन्माष्टमी पर्व के अवसर पर ब्रज में होने वाले श्री कृष्ण जन्मोत्सव 2025 को लेकर मण्डल आयुक्त शैलेंद्र कुमार सिंह ने वीडियो कॉनसिंग के माध्यम से बैठक ली। जिसमें डीआईजी आगरा जोन शैलेश कुमार पांडेय, मथुरा जिलाधिकारी सीपी सिंह, एसएसपी श्लोक कुमार, मथुरा वृंदावन विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष एसबी सिंह, नगर आयुक्त जगप्रकाश, एसपी ट्रैफिक एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष ने अवगत कराया गया कि श्री कृष्ण जन्मोत्सव की तैयारी तेजी से चल रही है। 15, 16 और 17 अगस्त को ब्रज में जगह जगह सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए पांच बड़े और 21 छोटे मंच तैयार किया जा रहे हैं जिसमें प्रसिद्ध कलाकारों के अलावा स्थानीय कलाकारों द्वारा भी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएगी।

ब्रज को सजाने के लिए की जाने वाली सजावट, बिजली आदि के टेंडर निकले जा रहे हैं। शहर में प्रवेश के लिए छह प्रमुख प्रवेश द्वार बनाए जा रहे हैं। 16 अगस्त को शोभायात्रा निकाली जाएगी। पाञ्चजन्य सभागार में भी सांस्कृक्तिक आयोजन होंगे। मंडल आयुक्त द्वारा निर्देश दिए गए कि मथुरा, वृंदावन, गोवर्धन और बस्ताना में अवस्थापना निधि तथा ब्रज तीर्थ विकास परिषद के अंतर्गत जितने भी विकास कार्य प्रगतिमान है, उन्हें 15 अगस्त से पहले पूरा किया जाए अन्यथा ऐसी व्यवस्था की जाए जिससे श्रद्धालुओं को आवागमन में किसी प्रकार की दिक्कत न हो। पूरे शहर को आकर्षक ढंग से सजाया जाए, मुख्यमंत्री संभावित यात्रा मार्ग पर भी जगह जगह सांस्कृतिक कार्यक्रम होते रहें यह सुनिश्चित किया जाए। नगर आयुक्त द्वारा अवगत कराया गया कि मथुरा वृंदावन में सभी प्रमुख मार्ग प्रमुख चौराहों पर आकर्षक लाइटिंग, तीन प्रमुख जगहों पर फ्साड लाइटिंग सजावट की जा रही है। चार बड़े प्रवेश द्वार बनाए जाएंगे। वाहनों की पार्किंग के लिए 45 पार्किंग स्थलों में व्यवस्था की जाएगी। समुचित सफाई हेतु 1025 सफाई कर्मियों की तीन शिफ्टों में इयूटी लगाई जाएगी। श्रद्धालियों की सुविधा के लिए बोतल बंद पानी तथा जगह जगह पानी की टैंकर और 80 मोबाइल टॉयलेट रखे जाएंगे। व्यवस्था बनाए रखने में एनजीओ और चॉलिटियर का भी सहयोग लिया जाएगा। अस्थाई अतिक्रमण के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। आयुक्त द्वारा निर्देश दिए गए कि 15 अगस्त के कारण वीकेंड में अत्यधिक भीड़ आने की संभावना है इसलिए पार्किंग की समुचित व्यवस्था हो, जहां बैरिकेडिंग करने की आवश्यकता है कराई जाए, भंडारे स्थल पर समुचित सफाई हेतु बड़े डस्टबिन और सफाई कर्मी की तैनाती की जाए। सीएमओ द्वारा अवगत कराया गया कि आकस्मिक चिकित्सा सुविधा के दृष्टिगत लगभग 7 अस्थाई स्वास्थ्य शिविर बनाए जा रहे है ।

नगर पालिका के पूर्व सभासद का निधन, शोक

अलीगढ। खैर नगर पालिका के पूर्व सभासद व मोहल्ला गौतमान निवासी राजेन्द्र गोयल उर्फ निक्कू जी पुत्र शिवचरन लाल गोयल का मंगलवार की सांय निधान हो गया। पूर्व सभासद का 62 वर्षीय पूर्व सभासद के निधन की सूचना पर उनके शुभचिंतक, परिचित व रिश्तेदार उनके आवास पर पहुंचे तथा शोक व्यक्त किया। वह वर्ष 2000 से 2005 तक तत्कालीन चेयरमैन सरोज विकल के कार्यकाल में वार्ड नंबर 13 मोहल्ला गौतमान के सभासद रहे थे। स्थानीय शिवधाम में उनके इकलौते पुत्र ईशांक गोयल ईसू ने मुखाग्नि दी।

उनके निधन पर पूर्व विधायक प्रमोद गौड, उद्योगपति देवप्रकाश अग्रवाल, चेयरमैन संजय शर्मा, पूर्व चेयरमैन संजीव अग्रवाल, प्रधानाचार्य नरेन्द्र भारद्वाज, कालीचरन बिजेन्द्र रावत, सुशील गर्ग, घनेश गंगल, यतेन्द्र गौतम, डा० महेश शर्मा, अनिल अग्रवाल मौसा, नत्थीलाल वर्मा, मनोज राठी, गिरीश गहलौत, अतुल अग्रवाल, रमेश चन्द्र शर्मा, अशोक महावली, पूर्व वाइस चेयरमैन आनन्द शर्मा मौनू, सुनील गौतम, संजय अग्रवाल, मनोज राठी, राजेश गोयल, पंकज रावत, रानू शर्मा, कालीचरन शर्मा, रिशु अग्रवाल, हँस अग्रवाल, सेतु गंगल, पूर्व सभासद अंकित मित्तल, दुर्गेश गौतम, अवधेश गौतम, अनुज गौतम, कुलदीप अग्रवाल, संजय गोयल, अतुल गोयल, सभासद जितेन्द्र गौतम एडवोकेट, दिनेश शर्मा, ज्ञानप्रकाश शर्मा बब्बू, चन्द्रशेखर तौमर, आचार्य विकास भारद्वाज आदि ने गहरा दुख व्यक्त किया है

ट्रैक्टर ने तोड़ी दीवार, गृह स्वामी से मारपीट

अलीगढ। खैर कोतवाली क्षेत्र के गांव मोहसनपुर नामजदों द्वारा पचास साल पुरानी दीवार को टैक्टर से तोड दिया। विरोध करने पर नामजदों ने गृह स्वामी के साथ मारपीट की। मामले में दो महिला सहित 6 को नामजद किया गया है। मोहसनपुर निवासी संजय कुमार पुत्र ओमप्रकाश शर्मा 25 जून का अपने घर पर थे। तभी नामजदों ने एक राय होकर रात्रि के नौ बजे ट्रैक्टर से पचास साल पुरानी लगी दीवार को गिरा दिया।

नुकसान की शिकायत करने पर नामजदों ने गाली गलौज करते हुए मारपीट की। मामले में कार्रवाही के लिए पीडित पक्ष ने अधिकारियों से गुहार लगाई थी। पीडित की तहरीर पर पप्पू सिंह, विपिन, सचिन, नितिन, पूजा व मीना निवासीगण मोहसनपुर के खिलाफ कोतवाली खैर में अभियोग पंजीकृत कराया गया है। खैर पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

यमुना के जलस्तर से खादर की कॉलोनियों में बढ़ी हलचल

वृंदावन। यमुना का जलस्तर लगातार बढ़ने से यमुना खादर में बसी कालोनियों में बाढ़ का पानी हिलोरें मारने लगा है। वहीं यमुना के बढ़ते जलस्तर से डूब क्षेत्र में बसी कालोनियों के निवासियों में खलबली मच गई श्रीजी कटिका कालोनी में है। बता दें कि पहाड़ों पर लगातार हो रही तेज वर्षों ने हालात खराब कर दिए हैं, जिससे यमुना के जलस्तर में भी निरंतर बढ़ोत्तरी हो रही है। यमुना का जलस्तर बढ़ने से केशीघाट पर परिक्रमा मार्ग जलमग्न हो गया है, जिससे प्रशासन ने सुरक्षा की दृष्टि से चौरघाट से केशीघाट की ओर जाने वाले परिक्रमा मार्ग को बेरीकेडिंग कर बंद करने के साथ ही परिक्रमार्थियों व अन्य राहगीरों को शाहजी मंदिर मार्ग से होकर निकाला जा रहा है। यमुना में पानी बढ़ने से सबसे अधिक खतरा यमुना के खादर में बसी कालोनियों में रह रहे लोगों को सता रहा है, जो बढ़ते पानी पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। कालीदह स्थित यमुना खादर की श्रीजी वाटिका कालोनी में बाढ़ का पानी आ जाने से जहां मकानों के चारों ओर पानी ही पानी नजर आ रहा है, जिससे लोगों का आवागमन अवरुद्ध हो गया है।साथ ही यहां एक गौशाला के परिसर में भी बाढ़ का पानी हिलोरें मार रहा है। यमुना के जलस्तर में लगातार वृद्धि को देखते हुए इस कालोनी के कई निवासियों ने सुरक्षित स्थानों की ओर पलायन करने का मन बना लिया है।

पुत्रदा एकादशी पर बाबा श्याम के दर्शनों को भारी संख्या में उमड़े भक्त

● पट खुलने के साथ ही शयन आरती तक भारी संख्या में जुटे रहे श्रद्धालु, कतार में खड़े होकर किए दर्शन

(भव्य प्रभात)

सादाबाद। श्रावणी पुत्रदा एकादषी पर नगर के बिजलीघर रोड स्थित श्री गोवर्धनधाम खाटू ष्याम मंदिर पर पट खुलने के साथ ही भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। जय श्री ष्याम के जयकारे लगाते हुए श्रद्धालुओं ने मंदिर में प्रवेष किया। मंदिर के गर्भगृह में विराजे श्री खाटू ष्याम जी के दर्षन पाकर भक्त धन्य हो गए। जय श्री ष्याम और हारे का सहारा बाबा ष्याम हमारा के गगनभेदी जयकारे लगाए गए।

मंदिर में श्री गोवर्धनधाम खाटू ष्याम मंदिर ट्रस्ट द्वारा बाबा ष्याम का दिल्ली से मंगाए गए विभिन्न प्रकार के विषेश फूलों से अलौकिक श्रृंगार किया गया। दर्षनों के लिए मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ना षुरू हो गई। भीड़ का आलम यह था कि कई बार तो मंदिर के बाहर तक श्रद्धालुओं की कतार लग गई। श्रद्धालु अपने हाथ में बाबा को अर्पित करने के लिए फल, मेवा, चूरमा आदि का भोग लाए। काफी भक्त गुलाब का फूल लिए बाबा के दरबार में पहुंचे। यहां विधि विधान पूर्वक बाबा ष्याम की पूजा अर्चना की गई।

मंदिर में गोवर्धन महाराज की परिक्रमा भी लगाई गई। वहीं भोलेनाथ, हनुमान जी महाराज व संतोशी मां की प्रतिमाओं पर भी भक्ति भाव से पुश्प अर्पित कर आराधना की गई। काफी श्रद्धालुओं ने बाबा से पुत्रदा एकादषी पर पुत्र की भी कामना की।

मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारियों द्वारा मंदिर में इत्र वर्शा कराई गई। इसके अलावा पूरे मंदिर को भव्यता पूर्वक सजाया गया।

सभी श्रद्धालुओं को प्रसादी का भी वितरण कराया गया। मंदिर पर न सिर्फ सादाबाद के श्रद्धालु बल्कि हाथरस, अलीगढ़, आगरा, मथुरा आदि स्थानों के श्रद्धालु भी पहुंचे। कई भक्त बाबा के निषान हाथ में लिए मंदिर तक पहुंचे और परिवार की सुख समृद्धि की कामना की। देर षाम हुई षयन आरती में भी भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। बाबा को श्रद्धालु अलपक निहारे जा रहे थे।

चेन्नई और सूरत में होने वाली एथलेटिक्स चैंपियनशिप में जलवा दिखाएंगे मोहन सिंह आर्य

एथलेटिक्स खेलों में लगातार चमक रहा सादाबाद क्षेत्र के गांव मंस्या के मोहन सिंह आर्य का नाम

(भव्य प्रभात)

सादाबाद। एथलेटिक्स खेलों में सादाबाद क्षेत्र के गांव मंस्या के निवासी मोहन सिंह का नाम लगातार चमक रहा है। अब वह चेन्नई में आयोजित होने वाली एषिया मास्टर्स एथलेटिक्स चैंपियनषिप और सूरत में होने वाली नेषनल मास्टर्स एथलेटिक्स चैंपियनषिप 2025 की तैयारियों में जुट गए हैं। करीब 62 वर्शीय मोहन सिंह आर्य ने बातचीत के दौरान बताया कि पांच से आठ नवंबर तक चेन्नई में एषिया मास्टर्स एथलेटिक्स चैंपियनषिप 2025 का आयोजन किया जाएगा, जिसमें एषिया के सभी देषों के खिलाड़ी भाग लेंगे। इसके अलावा सूरत में नेषनल मास्टर्स एथलेक्टिस चेंपियनषिप 2025 का आयोजन 10 से 12 अक्तूबर तक होगा, जिसमें भारत के खिलाड़ी भाग लेंगे। इन दोनों चैंपियनषिप

में वह अपनी उम्र के वर्ग में प्रतिभाग कर पदक जीतकर अपने क्षेत्र और भारत देष का नाम रोषन करेंगे। मोहन सिंह ने बताया कि उक्त दोनों चैंपियनषिप में बेहतर प्रदर्षन करने के लिए वह तैयारियों में जुटे हुए हैं। वह नियमित रूप से सुबह छह बजे से आठ बजे तक और षाम को पांच बजे से सात बजे तक दौड लगा रहे हैं। इसके अलाखा खानपीन का भी विषेश ध्यान रख रहे हैं। उन्होने क्षेत्र के युवाओं से भी ऐसी चैंपियनषिप में प्रतिभाग कर अपने क्षेत्र व देष का नाम रोषन करने का आह्वान किया है।

हाल ही में श्रीलंका व नैपाल में जीते थे पदक

हाल ही में श्रीलंका व नेपाल में हुईं मास्टर्स एथलेटिक्स चैंपियनषिप में भी एथलेटिक्स खिलाड़ी मोहन सिंह आर्य ने भाग लिया था। इन चैंपियनषिप में भी मोहन सिंह आर्य ने बेहतरीन प्रदर्षन किया था। मोहन सिंह ने नेपाल में तीन स्वर्ण पदक जीते थे। श्रीलंका में एक रजत पदक और तीन कांस्य पदक जीतकर अपने क्षेत्र व अपने देष का नाम रोषन किया था।

दीवारों पर बनाया तिरंगा, शहीद स्मारकों पर चलाया स्वच्छता अभियान

(भव्य प्रभात)

सादाबाद। शासन के दिशा निर्देशों के क्रम में हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अंतर्गत पूर्व माध्यमिक विद्यालय मीरपुर मंगलवार को गांव के शहीद स्मारकों पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। ध्वजारोहण के साथ ही विद्यालयों की दीवारों और बोर्ड पर राष्ट्रीय ध्वज बनाए गए। तिरंगा कार्यक्रम में बच्चों ने तिरंगे की आन बान और षान को लेकर गीत गाए। काफी उत्साह पूर्वक बच्चों ने इन गतिविधियों में सहभागिता की।

इस दौरान बच्चों ने देषभक्ति नारे भी लगाए। इस अवसर पर विद्यालय का स्टाफ इंचार्ज प्रधानाध्यापक हेमंत कुमार सहायक अध्यापक चारुल गर्ग ,अमरीश अग्रवाल पंचायत सहायक वंदना एवं ग्राम प्रधान प्रतिनिधि पोहप सिंह (पूर्व सेवानिवृत्ति सैनिक) उपस्थित रहे।

दिव्यांगता के क्षेत्र में कार्यरत स्वैच्छिक संगठनों व उत्कृष्ट कार्य करने वालों को किया जायेगा पुरूस्कृत : स्मृति गौतम

(भव्य प्रभात)

हाथरस। जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी स्मृति गौतम ने जनपद के ऐसे समस्त दिव्यांगजन एवं जन सामान्य को सूचित किया है कि दिव्यांगजन व्यक्तियों एवं दिव्यांगता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों तथा दिव्यांगता के क्षेत्र में संगठनों,सेवायोजकों को ''विश्व दिव्यांग दिवस'' दिव्यांगजन सशक्तिकरण द्वारा निम्नलिखित क्षेत्रों किये जायेंगे।

राज्य स्तरीय पुरस्कार इस वर्ष ३ दिसम्बर, विश्व दिव्यांग दिवस'' के अवसर पर दिये जायेगे

स्वतः रोजगाररत दक्ष ,कर्मचारी। उत्कृष्ट ाकारी। उत्कृष्ट प्लेसमेंट अधिकारी। कार्यरत स्वैच्छिक प्रत्येक वर्ष 3 दिसम्बर के अवसर पर विभाग उत्तर प्रदेश के में पुरस्कार प्रदान दिव्यांग व्यक्ति दिव्यांग कर्मचारी,अधि सेवायोजक एवं व्यक्ति विशेष हेतु पुरस्कार। उत्कृष्ट संस्था हेतु पुरस्कार। उत्कृष्ट रोल मॉडल हेतु पुरस्कार। दिव्यांगजनों के लिये बाधारहित वातावरण के निर्माण के लिये पुरस्कार। दिव्यांगजन के पुनर्वासन के क्षेत्र में कार्य के लिये उत्कृष्ट जनपद। उत्कृष्टलोकल लेवल कमेटी हेतु पुरस्कार। उत्कृष्ट चौनेलाइजिंग एजेंसी हेतु पुरस्कार। असाधारण सृजनात्मक कर्यों हेतु पुरस्कार। उत्कृष्ट ब्रेलप्रेस हेतु पुरस्कार। उत्ष्ट एससेबल बेबसाइट हेतु पुरस्कार। अतः उपरोक्तानुसार उल्लेखनीय है कि दिव्यांगता के उपरोक्त क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य हेतु राज्य स्तरीय पुरस्कार इस वर्ष 3 दिसम्बर, विश्व दिव्यांग दिवस'' के अवसर पर दिये जाने हेतु वेबसाइट www.socialjustie.nic.in निर्धारित प्रारूप पर आवेदन पूर्ण कर समस्त अभिलेखों सहित कार्यालय, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी, विकास भवन कक्ष संख्या–104 में विलम्बतम 5.08.2025 तक जमा कराया जाना सुनिश्चित करें ।

नेताजी सूरज पाल सिंह को रालोद का प्रदेश सचिव बनने पर प्रवीन पौनिया द्वारा स्वागत किया गया

(भव्य प्रभात)

हाथरस। राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी जयन्त सिंह, कौशल विकास और उद्यमशीलता (स्वतन्त्र प्रभार) एवँ शिक्षा राज्य मंत्री भारत सरकार के निर्देशानुसार एवं राष्ट्रीय महासचिव(संगठन) माननीय त्रिलोक त्यागी जी के अनुमोदन से उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रामाशीष राय द्वारा जनपद के सबसे सीनियर अपने छात्र जीवन से राष्ट्रीय लोकदल की ईमानदारी से सेवा करने वाले नेताजी सूरज पाल सिंह जी को राष्ट्रीय लोकदल उत्तर प्रदेश का प्रदेश सचिव मनोनीत किये जाने पर आज रामोजी रिसॉर्ट में राष्ट्रीय लोकदल के वरिष्ट नेता प्रमुख उद्योगपति प्रवीन पौनिया निवासी करील बालों ने नेताजी सूरज पाल सिंह का पुष्प गुच्छ भेंट कर भव्य स्वागत किया गया स स्वागत कार्यक्रम में युवा जिलाध्यक्ष चौधरी महीपाल सिंह, रवीन्द्र सिंह चौबे प्रधान, अजय चौधरी, शैलेन्द्र चौधरी जिलाध्यक्ष बीकेयू, चौधरी चरण सिंह, प्रदीप चौधरी, लोकेश चौधरी, आदि लोग प्रमुख रूप से उपस्थित रहे थे स सभी ने नेताजी सूरज पाल सिंह को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।

ओवल में टीम इंडिया की रोमांचक जीत

टेस्ट सीरीज 2-2 से बराबर, ब्रूक और रूट के शतक बेकार, सिराज चमके

लंदन। भारत ने पहली पारी में 224 रन बनाए थे। जवाब में इंग्लैंड की पहली पारी 247 रन पर समाप्त हुई थी और इंग्लिश टीम ने 23 रन की बढ़त हासिल की थी। भारत ने अपनी दूसरी पारी में 396 रन बनाए और 373 रन की कुल बढ़त हासिल की और 374 रन का लक्ष्य रखा। जवाब में इंग्लैंड की दूसरी पारी 367 रन पर समाप्त हुई। भारत ने ओवल में खेले गए पांचवें और आखिरी टेस्ट में छह रन से जीत हासिल की है। भारत ने 374 रन का लक्ष्य रखा था। जवाब में इंग्लिश टीम 367 रन पर सिमट गई। इंग्लैंड को पांचवें दिन जीत के लिए 35 रन की जरूरत थी और भारत को चार विकेट चाहिए थे। सिराज ने आज तीन विकेट लिए, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा ने एक विकेट लिया। सिराज ने पारी में पांच विकेट लिए, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा को चार विकेट मिले। आकाश दीप ने एक विकेट लिया। इसी के साथ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 2–2 की बराबरी पर समाप्त हुई। शुभमन गिल की अगुआई में एक युवा टीम का ऐतिहासिक प्रदर्शन है। किसी क्रिकेट पंडित ने भारत को इस दौरे से पहले पसंदीदा नहीं बताया था। हालांकि, गिल की युवा टीम ने सभी आलोचकों का मुंह बंद कर सीरीज को 2–2 से ड्रॉ कराया। भारत ने पहली पारी में 224 रन बनाए थे। जवाब में इंग्लैंड की पहली पारी 247 रन पर समाप्त हुई थी और इंग्लिश टीम ने 23 रन की बढ़त हासिल की थी। भारत ने अपनी दूसरी पारी में 396 रन बनाए और 373 रन की कुल बढ़त हासिल की और 374 रन का लक्ष्य रखा। जवाब में इंग्लैंड की दूसरी पारी 367 रन पर समाप्त हुई। जो रूट की 105 रन और हैरी ब्रूक की 111 रन की पारी भी इंग्लैंड को हारने से नहीं बचा सकी। जैसे ही सिराज ने आखिरी विकेट

के रूप में एटकिंसन को यॉर्कर पर क्लीन बोल्ड किया, भारतीय फैंस और खिलाड़ियों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। सिराज दौड़ पड़े और भारतीय खिलाड़ी उन्हें गले लगाने के लिए दौड़ पड़े। इंग्लैंड की दूसरी पारी इंग्लैंड की दूसरी पारी में शुरुआत खराब रही थी। टीम ने 106 रन पर बेन डकेट, जैक क्राउली और कप्तान ओली पोप के विकेट गंवा दिए थे। क्राउली 14 रन, डकेट 54 रन और पोप 27 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, इसके बाद ब्रूक जब 19 रन पर थे, तो सिराज ने उनका कैच छोड़ा था। इस जीवनदान का फायदा उठाकर ब्रूक ने 98 गेंद में 14 चौके और दो छक्कों की मदद से 111 रन की पारी खेली। वहीं, रूट ने 105 रन बनाए। इन दोनों के बीच 195 रन की साझेदारी हुई। आकाश दीप ने ब्रूक और प्रसिद्ध ने रूट को आउट किया। जैकब बेथेल पांच रन बना सके। 337 रन पर रूट छठे विकेट के रूप में पवेलियन लौटे थे। इसके बाद भारत ने इंग्लैंड को 30 रन और बनाने दिए और आखिरी के चार विकेट ले लिए। भारत ने चौथे दिन का खेल खत्म होने तक छह विकेट पर 339 रन बनाए थे। दिन के आखिरी सत्र में अंपायरों ने लाइट मीटर से प्राकृतिक रोशनी को मापने के बाद खेल को रोकने का इशारा किया। खिलाड़ियों के मैदान से बाहर निकलने के कुछ ही देर बाद तेज बारिश होने लगी और मैदानकर्मियों को पिच को कवर से ढकना पड़ा।

नोवाक जोकोविच ने छोड़ा सिनसिनाटी ओपन

24 ग्रैंड स्लैम खिताब विजेता और दुनिया के छठे नंबर के टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने सिनसिनाटी ओपन से नाम वापस ले लिया है। टूर्नामेंट के आयोजकों ने इसकी पुष्टि की है। दरअसल, 38 वर्षीय सर्बियाई खिलाड़ी ने गैर–चिकित्सीय कारणों का हवाला देते हुए टूर्नामेंट में न खेलने का फैसला किया है। इससे पहले उन्होंने पीठ की तकलीफ के कारण कैनेडियन मास्टर्स से भी अपना नाम वापस ले लिया था। ये लगातार दूसरा मौका है जब जोकोविच एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट से हटे हैं। उनके नाम इस स्तर पर 45–12 का प्रभावशाली जीत–हार रिकॉर्ड दर्ज है। उन्होंने 2023 के फाइनल में कार्लोस अल्काराज को हराकर इस टूर्नामेंट में अपनी सबसे यादगार जीत दर्ज की थी। वह मुकाबला तीन सेटो में खेला गया था। इस सीजन में नोवाक जोकोविच का प्रदर्शन 26 जीत और 9 हार का रहा है। उन्होंने मई 2025 में जिनेवा में अपना 100वां टूर–स्तरीय खिताब जीता था। उस जीत के बाद से वह केवल दो टूर्नामेंट खेले हैं फ्रेंच ओपन और विंबडलन, जहां दोनों बार उन्हें जैनिक सिनर के खिलाफ सेमीफाइनल में हार झेलनी पड़ी। अब उनके सामने यूएस ओपन 2025 है, जो 24 अगस्त से शुरू हो रहा है। वहां उनका लक्ष्य होगा अपना 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतकर महिला और पुरुष सिंगल्स दोनों को मिलाकर सर्वकालिक रिकॉर्ड की बराबरी करना। वह महिला वर्ग की दिग्गज मार्गरेट कोर्ट के रिकॉर्ड की बराबरी कर सकते हैं।

अमन कुश्ती विश्व चौंपियनशिप में डेब्यू के लिए तैयार, सुजीत ने भी बनाई भारतीय टीम में जगह

पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता अमन सहरावत (57 किग्रा) को विश्व चौंपियनशिप के चयन ट्रायल में कोई खास चुनौती नहीं मिली तो वहीं सुजीत कलकल ने शानदार कौशल दिखाते हुए सोमवार को पुरुषों के 65 किलोग्राम फ्रीस्टाइल वर्ग में राष्ट्रीय टीम में अपनी जगह पक्की कर ली। क्रोएशिया के जगरेब में अगले महीने होने वाली विश्व चौंपियनशिप 2024 में पेरिस ओलंपिक में कांस्य जीतने के बाद सहरावत का विश्व स्तर का दूसरा टूर्नामेंट होगा। इस 22 साल के पहलवान ने जून में प्रतिस्पर्धी कुश्ती में वापसी करते हुए मंगोलिया रैंकिंग सीरीज में कांस्य पदक जीता था। वह हालांकि यहां ट्रायल में मंगोलिया की तुलना में कहीं बेहतर नजर आये। उन्होंने अपने पहले मुकाबले में सुमित के खिलाफ मात्र एक अंक गंवाने के बाद शुरुआती पीरियड में ही तकनीकी श्रेष्ठता से जीत दर्ज की। उन्होंने फाइनल में राहुल को एकतरफा अंदाज में बिना कोई अंक गवायें तकनीकी श्रेष्ठता से मात दी। अमन ने कहा, ''मुझे लगता है कि मैं अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में लौट आया हूं। मेरी फिटनेस अच्छी है और मेरी लय भी वापस आ गई है। मैं विश्व चौंपियनशिप के लिए तैयार हूं।'' उन्होंने कहा, ''मैंने मंगोलिया रैंकिंग सीरीज में कुछ गलतियां की थी लेकिन वह एक साल बाद मेरी पहली प्रतियोगिता थी। मुझे लगता है कि मैंने इतना बुरा प्रदर्शन नहीं किया था, मैं एक समय 11–6 से आगे भी चल रहा था, लेकिन मैं उस हार (मंगोलिया में) को स्वीकार करता हूं।'' पुरुषों की 65 किग्रा स्पर्धा में काफी करीबी मुकाबला देखने को मिला जहां सुजीत कलकल ने बाजी मारी। सुजीत ने अनुज (10–0) और विशाल कालीरमन (8–4) के खिलाफ अपने मजबूत रक्षात्मक खेल से प्रभावित किया। वह मुश्किल स्थिति से जवाबी हमला करके अंक बटोरने में सफल रहे। बजरंग पुनिया के हटने के बाद 65 किग्रा में भारतीय पहलवानों का प्रदर्शन लचर रहा है लेकिन सुजीत ने इस प्रदर्शन से उम्मीदें जगा दी है। तोक्यो ओलंपिक में 86 किग्रा में चुनौती पेश करने वाले दीपक पूनिया ने 92 किग्रा के अपने नये भार वर्ग में दबदबा कायम करते हुए विश्व चौंपियनशिप का टिकट कटाया। 'केतली पहलवान' के नाम से मशहूर दीपक ने महज 73 सेकंड में मंजीत को हराने के बाद हरियाणा के सचिन को परास्त किया। अंडर 20 चौंपियन मुकुल दाहिया भी सीनियर टीम में जगह बनाने में सफल रहे। उन्होंने 86 किग्रा में सचिन जगलान और आशीष को एकतरफा अंदाज में हराया। हरियाणा के अमित ने 79 किग्रा में दबदबा कायम किया जबकि 74 किग्रा में सिर्फ दो पहलवानों के बीच हुए मुकाबले में जगदीप ने जीत दर्ज की। रोहित (70 किग्रा) , उदित (61 किग्रा) विक्की (97 किग्रा) और रजत (125 किग्रा) फ्रीस्टाइल टीम में जगह बनाने वाले अन्य पहलवान थे।

रिलायंस पावर और रिलायंस इन्फ्रा के शेयरों में गिरावट, ईडी जांच से निवेशकों में चिंता

हाल के हफ्तों में, रिलायंस पावर और रिलायंस इन्फ्रा को गहन जांच का सामना करना पड़ा है क्योंकि इन दोनों कंपनियों के शेयरों में महत्वपूर्ण गिरावट देखी गई है। यह गिरावट मुख्य रूप से प्रवर्तन निदेशालय (म्क) द्वारा 17,000 करोड़ रुपये के बड़े लोन धोखाधड़ी के आरोपों की जांच के कारण हुई है। इस जांच ने निवेशकों के बीच गंभीर चिंताएं पैदा की हैं, जिसके परिणामस्वरूप शेयरों की कीमतों में गिरावट आई है और इन प्रमुख कंपनियों के भविष्य पर एक धुंधलका छा गया है। म्क जांच का पृष्ठभूमि रिलायंस पावर और रिलायंस इन्फ्रा के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय की जांच भारत में वित्तीय गड़बड़ी पर व्यापक कार्रवाई का हिस्सा है। विशेष रूप से उन आरोपों के बारे में जिनमें बैंकों से लिए गए लोन को ऐसे प्रोजेक्ट्स के लिए खर्च किया गया था जो कभी शुरू नहीं हुए, इसने म्क की रुचि को आकर्षित किया। इसने वित्तीय समुदाय में उथल–पुथल मचा दी है और कंपनियों की संचालन प्रक्रियाओं पर कई सवाल उठाए हैं। शेयरों पर प्रभाव जैसे ही म्क जांच की खबर सामने आई, शेयर बाजार ने तेजी से प्रतिक्रिया दी। रिलायंस पावर और रिलायंस इन्फ्रा के शेयरों में भारी गिरावट आई, जो निवेशकों के बीच घबराहट और अनिश्चितता का संकेत थी। कुछ ही दिनों में, रिलायंस पावर के शेयर 15: से अधिक गिर गए, जबकि रिलायंस इन्फ्रा ने भी समान गिरावट देखी। इस घटनाक्रम ने न केवल इन कंपनियों को प्रभावित किया, बल्कि पूरे बाजार में भी हलचल मचाई, जिससे इंफ्रास्ट्रक्चर और पावर क्षेत्रों में निवेशक भावना पर असर पड़ा। निवेशकों के लिए प्रमुख चिंताएं निवेशकों को म्क की जांच के प्रभाव को लेकर स्वाभाविक रूप से चिंता है। रिलायंस पावर और रिलायंस इन्फ्रा की वित्तीय स्थिति पर सवाल उठाए गए हैं, और विश्लेषकों का अनुमान है कि इन कंपनियों को नकदी की समस्या हो सकती है और वे अपनी वित्तीय प्रतिबद्धताओं को पूरा करने में सक्षम नहीं हो सकते। इसके अलावा, कानूनी नतीजों की संभावना इन कंपनियों के लिए कार्य संचालन को और जटिल बना सकती है। रिलायंस पावर और रिलायंस इन्फ्रा का प्रतिक्रिया आरोपों और उसके बाद के बाजार प्रतिक्रियाओं के जवाब में, रिलायंस पावर और रिलायंस इन्फ्रा ने बयान जारी किए हैं, जिसमें उन्होंने अपनी पारदर्शिता और अनुपालन की प्रतिबद्धता को दोहराया है। उन्होंने कहा है कि वे म्क की जांच में पूरी तरह से सहयोग कर रहे हैं और विश्वास जताया है कि वे जांच द्वारा उठाए गए सवालों का समाधान करेंगे। हालांकि, यह आश्वासन निवेशकों के डर को शांत करने के लिए पर्याप्त नहीं हो सकता, जिनमें से कई अब अपनी निवेश स्थिति पर पुनर्विचार कर रहे हैं।

रच गया इतिहास, भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज में 45 बार खिलाड़ी हुए बोल्ड

नई दिल्ली। पांच मैचों की इस सीरीज में सिर्फ तीन मैच खेलने वाले भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने सबसे ज्यादा बोल्ड आउट (10) किए। भारत और इंग्लैंड के बीच खेली गई पांच मैचों की टेस्ट सीरीज ने रोमांच की सारी हदें पार कर दीं। पांचों मुकाबले पांच दिन तक गए और दोनों टीमों के बीच जीत के लिए कड़ी टक्कर देखने को मिली। इंग्लैंड ने पहले और तीसरे टेस्ट में जीत हासिल की, जबकि भारत ने दूसरे और पांचवें टेस्ट मैच को अपने नाम किया और इस तरह सीरीज 2–2 से बराबर रही। मैनचेस्टर में खेला गया चौथा टेस्ट ड्रॉ रहा था। यह एंडरसन–तेंदुलकर ट्रॉफी 2025 सीरीज कई मायनों में ऐतिहासिक रही। इस सीरीज में कई रिकॉर्ड्स बने और टूटे। सीरीज में 45 बोल्ड आउट इस टेस्ट सीरीज में 45 बोल्ड आउट दर्ज किए गए। ये 21वीं सदी में किसी भी सीरीज में दर्ज किए गए सबसे ज्यादा बोल्ड आउट हैं। इस सीरीज में कुल 175 विकेट गिरे और इसमें 45 बार यानी एक चौथाई से भी ज्यादा बार खिलाड़ी बोल्ड हुए। इससे पहले भी यह रिकॉर्ड भारत–इंग्लैंड सीरीज के नाम ही था।

भव्य प्रभात

शुभमन जीत

सही मायनों में, दिग्गज क्रिकेटरों की अनुपस्थिति में युवा भारतीय क्रिकेटरों ने इंग्लैंड की धरती पर नया इतिहास रचा है। ओवल टेस्ट में उन्होंने इंग्लैंड के मुंह से जीत छीन ली। जो मैच इंग्लैंड के पाले में जाता दिख रहा था, उसे अपनी जीत में बदल दिया। लगातार रोमांचक होते मैच को जीतकर टीम ने न केवल मैच जीता बल्कि शृंखला को भी दो–दो से बराबरी पर ला खड़ा किया। युवा तुर्कों ने उन तमाम क्रिकेट पंडितों की भविष्यवाणियों को बेकार साबित किया, जो इंग्लैंड टीम द्वारा शृंखला जीतने के दावे कर रहे थे। ओवल टेस्ट के अंतिम क्षणों में मोहम्मद सिराज ने तो मैच का पासा ही पलट दिया। मैच के रोमांच ने बताया कि क्यों क्रिकेट पंडित टेस्ट क्रिकेट को असली क्रिकेट की संज्ञा देते हैं। भारत के धुरंधर क्रिकेटरों के बिना इंग्लैंड के खिलाफ उतरी इस टीम ने कई इतिहास रचे, कई रिकॉर्ड तोड़े और नये रिकॉर्ड बनाए। भारतीय क्रिकेट के पिछले 93 साल के इतिहास में यह पहली बार हुआ कि किसी शृंखला में पांच भारतीय बल्लेबाजों ने चार सौ से अधिक रन बनाए हों। यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण हो जाती है कि भारतीय खिलाड़ियों ने ये रन तेज गति व उछाल लेती पिचों के बीच बनाये। उन्होंने पूरे दमखम के साथ तेज ब्रिटिश गेंदबाजों का मुकाबला किया। दरअसल, लीड्स व लॉर्ड्स के मैच भारतीय टीम को करीबी मुकाबले में खोने पड़े अन्यथा टीम शृंखला भी जीत सकती थी। कप्तान शुभमन गिल की इसलिए भी तारीफ करनी होगी कि उन्होंने विदेशी पिच पर कप्तानी के दबाव के बीच भरपूर व सर्वाधिक रन बनाये। कई रिकॉर्ड्स उनकी सफल कप्तानी के गवाह हैं। मोहम्मद सिराज ने निर्णायक भूमिका निभाते हुए न केवल अंतिम कीमती विकट लिए बल्कि पूरे मैच में नौ विकेट लेने के कारण 'मैन ऑफ द मैच' भी बने। वहीं प्रसिद्ध कृष्णा ने भी दोनों पारियों में चार–चार विकेट लेकर अपने नाम के अनुरूप प्रसिद्धि हासिल की। ओवल मैच में यशस्वी जायसवाल,आकाशदीप, रवींद्र जडेजा और वॉशिंगटन के बल्लों से निकले रन भी इस जीत में खूब काम आए। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भारतीय टीम ने यह भी साबित किया कि वह विदेशी धरती में, विषम परिस्थितियों में व नामचीन खिलाड़ियों की अनुपस्थिति में जीत की इबारत लिख सकती है। लगता है जूझते हुए आसन्न हार को जीत में बदलने का हुनर भी टीम ने सीख लिया। जीत के जुनून को हर समय महसूस किया गया। संयुक्त रूप से मैन ऑफ द सीरीज बने शुभमन गिल के बल्ले से खूब रन बरसे। वे इस शृंखला में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज भी बने। यदि वे बीस रन और बना पाते तो एक शृंखला में सबसे ज्यादा रन बनाने के सुनील गावस्कर के रिकॉर्ड को तोड़ सकते थे। वहीं शृंखला में मोहम्मद सिराज नये सितारे बनकर उभरे और उन्होंने सिरीज में सबसे ज्यादा 23 विकेट लिए। निस्संदेह, यह रोमाचक शृंखला टेस्ट क्रिकेट के 148 साल के इतिहास में एक बेहतरीन शृंखला रही। पांचों टेस्ट मैचों में भारतीय टीम जीत के लिये जूझती नजर आई। शुभमन गिल कहीं से नहीं लगे कि वे एक नये कप्तान हैं। वे विराट कोहली और रोहित शर्मा के शानदार विकल्प के रूप में सामने आए हैं। भले ही भारत ने छह रन से ओवल टेस्ट जीता हो मगर यह इतिहास में एक बड़ी जीत के रूप में दर्ज की जाएगी। जिसने हाथ से निकलती सीरीज को बराबरी के स्तर पर ला खड़ा किया। वहीं गिल और सिराज के अलावा इस शृंखला में यशस्वी जायसवाल, के.एल. राहुल, ऋषभ पंत,जसप्रीत बुमराह व आकाश दीप जैसे सितारे भी चमके। निस्संदेह, रवींद्र जडेजा पुराने योद्धा हैं। गिल के पास बहुत समय है और उनसे लंबी पारी और विजयी शृंखलाएं खेलने की उम्मीद की जा सकती है। निस्संदेह, उनकी प्रतिभा भारतीय टीम में जीत का जुनून भरेगी। बहरहाल, शानदार उतार–चढ़ाव भरे पांच मैचों के मुकाबलों ने दर्शाया कि धमाकेदार टी–20 क्रिकेट के दौर में टेस्ट क्रिकेट का क्यों महत्व है। ये उन क्रिकेट पंडितों के लिये जवाब है जो टेस्ट क्रिकेट को बीते दिनों की बात कहने लगे थे।

कैशलेस इंडिया की कहानी: यूपीआई ने रचा नया इतिहास

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की ओर से हाल ही में जारी किए गए एक नोट, "बढ़ता रिटेल डिजिटल भुगतानः इंटरऑपरेबिलिटी का महत्त्व" के अनुसार, भारत तेज भुगतान में ग्लोबल लीडर बनकर उभरा है। इस बदलाव का मूल आधार एकीकृत भुगतान इंटरफेस है, जिसे यूपीआई के नाम से जाना जाता है। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया की ओर से 2016 में लॉन्च किए गए यूपीआई ने देश में लोगों के पैसे भेजने और प्राप्त करने के तरीके को बदल दिया है। आज, भारत में यूपीआई के माध्यम से हर महीने 18 बिलियन से अधिक ट्रांजेक्शन होते हैं। यूपीआई अब केवल एक भुगतान प्रणाली नहीं है। यह सार्वजनिक डिजिटल बुनियादी ढांचे में नवाचार के लिए एक वैश्विक मानक है। आज यूपीआई का स्तर उल्लेखनीय है। अकेले जून 2025 में, इसने 24.03 लाख करोड़ रुपये से अधिक के भुगतान किए। इसके जरिए 18.39 बिलियन ट्रांजैक्शन किए गए। बीते साल इसी महीने 13.88 बिलियन लेन–देन की तुलना में हुई यह प्रगति स्पष्ट है। केवल एक साल में इसमें लगभग 32 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। यूपीआई प्रणाली अब 491 मिलियन लोगों और 65 मिलियन कारोबारियों को सेवाएं देती है। यह 675 बैंकों को एक ही मंच पर जोड़ती है, जिससे लोग बिना किसी चिंता के आसानी से भुगतान कर सकते हैं कि वे किस बैंक का इस्तेमाल कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत के डिजिटल भुगतान का दायरा अभूतपूर्व वृद्धि के साथ पूरी दुनिया में अग्रणी बन चुका है। पिछले छह वित्त वर्ष 2019–20 से 2024–25 तक देश में 65,000 करोड़ से अधिक डिजिटल लेनदेन हुए हैं, जिनकी कुल राशि 12,000 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा है। इस डिजिटल भुगतान की लहर ने विशेष रूप से वंचित एवं ग्रामीण समुदायों के वित्तीय लेनदेन में क्रांतिकारी बदलाव किए हैं। मोदी सरकार ने भारतीय रिजर्व बैंक–आरबीआई, नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया–एनपीसीआई, फिनटेक कंपनियों, बैंकों और राज्य सरकारों के साथ मिलकर डिजिटल भुगतान की पहुंच बढ़ाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। खास तौर पर टियर–2 और टियर–3 शहरों के साथ पूर्वोत्तर राज्यों तथा जम्मू और कश्मीर जैसी पिछड़ी और संवेदनशील क्षेत्रों में डिजिटल भुगतान के इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूती करने के लिए 2021 में आरबीआई ने पेमेंट्स इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फंड–पीआईडीएफ की स्थापना की। अब तक इस फंड के माध्यम से लगभग 4.77 करोड़ डिजिटल टच पॉइंट देशभर में तैनात किए जा चुके हैं। ये टच पॉइंट डिजिटल भुगतान की सुविधाओं को छोटे से छोटे गांव, कस्बा, सरकारी दफ्तर और व्यापारी केंद्रों तक पहुंचाने में सहायक हैं। भारतीय रिजर्व बैंक ने डिजिटल भुगतान की प्रगति को मापने के लिए डिजिटल भुगतान सूचकांक यानी आरबीआईकृडीपीआई विकसित किया है, जो हर छह महीने में प्रकाशित होता है। इसका आधार मार्च 2018 है, जब यह 100 था। सितंबर 2024 तक यह सूचकांक 465.33 तक पहुंच चुका था और मार्च 2025 तक 493.22 पर पहुंच गया, जो देश भर में डिजिटल भुगतान के अपनाने, बुनियादी ढांचे और प्रदर्शन में निरंतर बढ़ोत्तरी को दर्शाता है। यह संकेत है कि भारत का डिजिटल भुगतान पारिस्थितिकी तंत्र तेजी से सशक्त हो रहा है। यूपीआई जैसे डिजिटल भुगतान प्लेटफॉर्म ने छोटे व्यवसायों, एमएसएमई, ग्रामीण और वंचित वर्गों के लिए वित्तीय सेवाओं तक पहुंच आसान कर दी है। यूपीआई की मदद से लाखों छोटे विक्रेता

डिजिटल भुगतान स्वीकार कर पा रहे हैं, जिससे नकद लेनदेन की निर्भरता कम हो रही है। इसके अलावा, छोटे व्यापारियों के लिए कम–मूल्य के भीम–यूपीआई लेनदेन को बढ़ावा देना, टीआरईडीएस के माध्यम से छूट देने की व्यवस्था और डेबिट कार्ड लेनदेन के लिए व्यापारी छूट दर को युक्तिसंगत बनाना जैसे कदम डिजिटल भुगतान को अधिक सुलभ और लाभकारी बना रहे हैं। पीआईडीएफ के अंतर्गत टियर–3 से लेकर टियर–6 नगरों, पूर्वोत्तर राज्यों और जम्मू–कश्मीर में डिजिटल भुगतान स्वीकृति के इन्फ्रास्ट्रक्चर का व्यापक विकास किया गया है। इससे गांव और छोटे शहरों में भी डिजिटल भुगतान को अपनाने के रास्ते खुले हैं। डिजिटल टच पॉइंट्स के बढ़ते नेटवर्क ने इन इलाकों में भी आर्थिक लेनदेन की प्रक्रिया को सरल और तेज कर दिया है। यूपीआई भारत में डिजिटल भुगतान का सबसे लोकप्रिय और व्यापक रूप से उपयोग किया जाने वाला माध्यम बना हुआ है। जून 2025 तक यूपीआई पर प्रतिदिन औसतन 613 मिलियन लेनदेन दर्ज किए गए हैं, जो इसकी बढ़ती लोकप्रियता और निर्बाध सुविधा का प्रमाण हैं। इसने देश को नकद मुक्त अर्थव्यवस्था की ओर एक कदम और पास पहुंचाया है। वित्त वर्ष 2024–25 में खुदरा डिजिटल भुगतान में लगभग 35 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिससे साफ होता है कि डिजिटल भुगतान तेजी से भारतीय अर्थव्यवस्था और रोजमर्रा की जिंदगी में अभिन्न हिस्सा बनता जा रहा है। आज, भारत में सभी डिजिटल लेन–देन में 85 प्रतिशत यूपीआई के माध्यम से होते हैं। इसका प्रभाव राष्ट्रीय सीमाओं से परे भी है, और यह वैश्विक स्तर पर रियल–टाइम डिजिटल भुगतानों के लगभग 50 प्रतिशत को संचालित करता है। ये आंकड़े केवल संख्याएं नहीं हैं। ये भरोसे, सरलता और तेजी को दर्शाते हैं। हर महीने, अधिक से अधिक लोग और व्यवसाय अपने भुगतानों के लिए यूपीआई का इस्तेमाल कर रहे हैं। इसका बढ़ता इस्तेमाल इस बात का एक मजबूत संकेत है कि भारत तेजी से एक कैशलेस इकोनॉमी की ओर बढ़ रहा है। भारत का यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस अब दुनिया का नंबर एक रियल–टाइम भुगतान सिस्टम भी बन गया है। इसने रोजाना ट्रांजैक्शन की प्रोसेसिंग में वीजा को पीछे छोड़ते हुए बढ़त हासिल कर ली है। वीजा के 63 करोड़ 90 लाख ट्रांजैक्शन के मुकाबले यूपीआई हर दिन 64 करोड़ से अधिक ट्रांजेक्शन संभालता है। यह पैमाना असाधारण है, खासकर जब आप यह देखते हैं कि यूपीआई ने यह उपलब्धि केवल नौ वर्षों में हासिल की है। अब दुनिया भर में लगभग 50 प्रतिशत ट्रांजैक्शन यूपीआई के माध्यम से होते है। यह गति और आसानी के लिए बनाई गई एक खुली आर्किटेक्चर–संचालनीय प्रणाली की शक्ति को दर्शाता है। इसकी सफलता की कहानी केवल घर तक ही सीमित नहीं है। यूपीआई की मौजूदगी सीमाओं के पार भी महसूस हो रही है। यह संयुक्त अरब अमीरात, सिंगापुर, भूटान, नेपाल, श्रीलंका, फ्रांस और मॉरीशस समेत सात देशों में पहले से ही उपलब्ध है। फ्रांस में इसका प्रवेश एक मील का पत्थर है क्योंकि यह यूरोप में यूपीआई का पहला कदम है। इससे वहां यात्रा कर रहे या रहने वाले भारतीयों को विदेशी लेनदेन की सामान्य परेशानियों के बिना सहजता से भुगतान करने की सुविधा मिलती है। भारत यूपीआई को ब्रिक्स समूह में एक मानक बनाने के लिए भी प्रयास कर रहा है, जिसमें अब छः नए सदस्य देश भी शामिल हैं। अगर ऐसा होता है, तो इससे रिमिटेंस में सुधार होगा, वित्तीय समावेशन में तेजी आएगी और डिजिटल भुगतान में वैश्विक तकनीकी अग्रणी के तौर पर भारत की छवि मजबूत होगी। डिजिटल भुगतान की इस तेजी के साथ भारत ने खुद को एक अग्रणी डिजिटल इकोनॉमी के रूप में स्थापित कर लिया है। डिजिटल रुपया और अंतरराष्ट्रीय डिजिटल भुगतान नेटवर्क के विकास से वित्तीय लेनदेन अधिक पारदर्शी, सुरक्षित और त्वरित होंगे। यूपीआई जैसे प्लेटफॉर्म्स को और देश–विदेश में विस्तार देने के प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे भारत एक ग्लोबल डिजिटल पेमेंट हब बन सके। भारत का डिजिटल भुगतान सशक्तिकरण ने न केवल आर्थिक लेनदेन को सरल बनाया है, बल्कि गरीब और पिछड़े वर्गों को भी वित्तीय दुनिया का हिस्सा बनाया है। यह डिजिटल इंडिया की सफलता की कहानी है, जो रोजाना करोड़ों नागरिकों की जिंदगी में सुधार लाकर भारत के आर्थिक विकास में योगदान दे रही है। –लेखक राज्य मुख्यालय पर मान्यता प्राप्त पत्रकार हैं।

डायरिया, यानी दस्त की परेशानी, बच्चों में बहुत आम होती है खासकर गर्मी और बरसात के मौसम में। जब किसी बच्चे को बार–बार ढीला, पानी जैसा मल होने लगे तो यह डायरिया होता है। यह तब खतरनाक बन जाता है जब शरीर में पानी और जरूरी मिनरल्स की कमी होने लगे जिसे डिहाइड्रेशन कहा जाता है। बच्चों का शरीर छोटा होता है इसलिए पानी की कमी बहुत जल्दी हो सकती है। यही कारण है कि डायरिया को कभी भी हल्के में नहीं लेना चाहिए। यह किसी अन्य बीमारी या संक्रमण का संकेत भी हो सकता है।

कब चिंता की बात होती है?

कभी–कभी हल्का डायरिया सामान्य होता है, जैसे कि जब बच्चा नई चीजें खाता है या मौसम बदलता है। लेकिन अगर बच्चा दिन में 3–4 बार से ज्यादा पतले दस्त कर रहा है, तो यह चिंता का कारण बन सकता है।

डायरिया के सामान्य कारणः

गंदा खाना या पानी
हाथ साफ न होना
बोतल या बर्तन साफ न होना
संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आना
खुले में शौच जाना
गंदे खिलौने या चीजें मुंह में डालना
दूध न पच पाना भी हो सकता है कारण

कई छोटे बच्चों को लैक्टोज इन्टॉलरेंस होता है यानी वे दूध ा ठीक से नहीं पचा पाते। इससे भी डायरिया हो सकता है। इसके अलावा, कभी–कभी नई चीज खाने पर या ज्यादा एंटीबायोटिक दवाएं लेने पर भी दस्त हो सकते हैं। बच्चों की इम्युनिटी कमजोर होती है, इसलिए वे जल्दी बीमार पड़ सकते हैं।

डायरिया होने पर सबसे जरूरी है दृ पानी और नमक की पूर्ति

जब बच्चा डायरिया से पीड़ित होता है तो उसके शरीर से बहुत सारा पानी, नमक और जरूरी तत्व (इलेक्ट्रोलाइट्स) बाहर निकल जाते हैं। इस स्थिति में सबसे जरूरी है कि बच्चे को ओआरएस (ओआरएस) का घोल पिलाया जाए। हर बार दस्त के बाद ओआरएस देना चाहिए, ताकि शरीर में पानी और नमक की कमी न हो। छोटे बच्चों को माँ का दूध जरूर देते रहें, क्योंकि यह पोषण भी देता है और डिहाइड्रेशन से भी बचाता है।

क्या खाना दें?

बच्चे को हल्का और आसानी से पचने वाला खाना देना चाहिए, जैसेः

खिचड़ी
दाल–चावल
केला
सेब की चटनी
दही

भारी, तली–भुनी चीजें या दूध जैसी चीजों से परहेज करें।

अगर बच्चा खाना नहीं चाहता तब भी उसे थोड़ा–थोड़ा खाते रहने को कहें। साथ में खूब सारा साफ पानी, नारियल पानी या नींबू पानी पिलाएं।

साफ–सफाई है सबसे जरूरी

डायरिया से बचाव के लिए साफ–सफाई का ध्यान रखना बहुत जरूरी है।

बच्चों को खाने से पहले और टॉयलेट के बाद हाथ धोने की आदत डालें
बोतल, बर्तन और खिलौने रोज साफ करें
साफ और उबला हुआ पानी पिलाएं
बाहर का खाना देने से बचें

खुले में खेलने के बाद भी हाथ जरूर धुलवाएं। साफ–सफाई और सतर्कता से डायरिया से बचा जा सकता है।

नवजात और छोटे बच्चों में डायरियाः ज्यादा खतरा

अगर बच्चा 6 महीने से छोटा है, और उसे दस्त हो जाएं, तो तुरंत डॉक्टर को दिखाएं। इतने छोटे बच्चों में डिहाइड्रेशन बहुत जल्दी हो सकता है और उनका शरीर इसे सह नहीं पाता। समय पर इलाज न मिलने से कमजोरी, वजन कम होना, कुपोषण जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए अगर बच्चे को 24 घंटे से ज्यादा दस्त हों, तो देरी न करें।

कब डॉक्टर से तुरंत मिलना चाहिए?

अगर बच्चा बहुत सुस्त हो जाए, आंखें धंसी हुई लगें, पेशाब कम आए, बार–बार उल्टी हो, खून के साथ दस्त हो तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

डिहाइड्रेशन बढ़ने पर बच्चे को अस्पताल में भर्ती भी करना पड़ सकता है। डायरिया को नजरअंदाज करना खतरनाक हो सकता है, खासकर छोटे बच्चों में। सही समय पर ओआरएस देना, हल्का खाना, साफ पानी और साफ–सफाई से न केवल इलाज किया जा सकता है, बल्कि इसे रोका भी जा सकता है। सावधानी और सही देखभाल से आपका बच्चा जल्दी ठीक हो सकता है।